मेरा शिक्षक

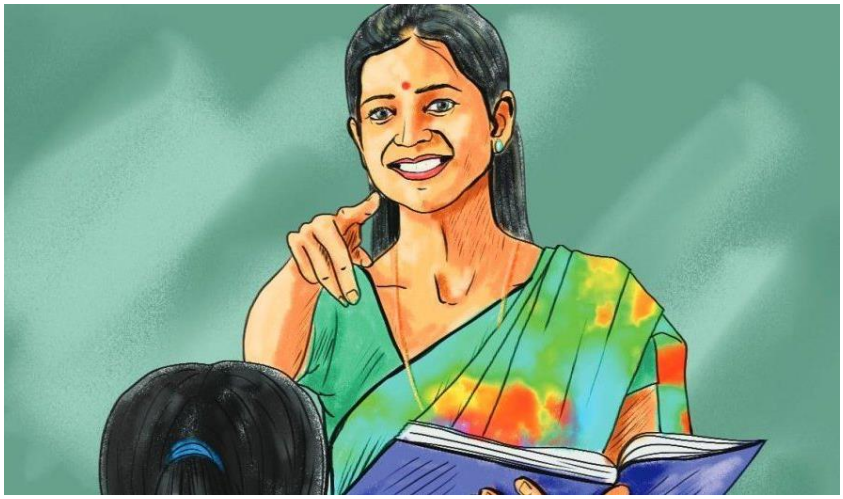

जीवन में जो राह दिखाए,
सही तरह से चलना सिखाए|
माता पिता सा पहले आता,
जीवन में सबसे ज्यादा आदर पाता|
कभी रहा ना दूर मैं जिससे,
वह मेरा पथप्रदर्शक कहलाता|
मेरे मन को भाता है जो,
वह मेरा शिक्षक कहलाता|
कभी है शांत, कभी है धीर,
भावों में वह सदा गंभीर|
मेरे शिक्षक बनते सबकी जान,
तो कभी बनते वो रसखान|
पढ़ाई से उनका अलग है नाता,
पड़ते नहीं तो खा लेते है चाँटा|

तक्ष्य
कक्षा- नवीं